फिलिप्पियन

1 मसीह यीसु कइ दास पउलुस अउर तिमुथियुस
कइ तरफ ते सबै पवित्तर लोगन कइ नाम, अउर
अध्यछन अउर सेवकन समेत जे यीसु मसीह म
होइकइ फिलिप्पी म रहत हंय।
2हमरे बाप परमेसुर अउर परभु यीसु मसीह
कइ तरफ ते तुमका अनुगरह अउर सान्ती मिलत
रहइ।

धन्यवादु अउर पराथना

3हम जब–जब तुमका याद करित हइ, तब–तब
हम अपने परमेसुर कइ धन्यवादु करित हइ। 4अउर
जब कबहूं तुम सबन कइ खातिर विनती करित हइ
सबै खुसी कइ साथइ विनती करित हन। 5काहे ते कि
तुम पहिलेन दिन ते लइके आज तलक सुसमाचारु
फइलावै म हमार सहभागी रहेउ। 6अउर तोहिका यहि
बात कइ भरोसु हइ कि जउन तुम मा अच्छा काम
सुरु किहिसि हइ, वहइ यीसु मसीह कइ दिन तक पूर
करी।
7उचितइ हइ कि हम तुम सबन के खातिर
अइसन विचार करी, काहे ते तुम हमरे मन मं
आइ कइ बसि गयेउ हइ, अउर हमरी कैदि मं
अउर सुसमाचारु कइ खातिर जवाबु अउर परमान
दियै म तुम सब हमरेइ साथ अनुगरह म सहभागी
हउ। 8यहि म परमेसुर हमार गवाह हइ कि हम
यीसु मसीह कइ नाई परेम कइकइ तुम सबन कइ
लालसा करित हइ।
9अउर हम यहु पराथना करति हइ कि तुम्हार
परेमु, गियानु अउर सबै तरह कइ विवेकु सहित
अउरउ बढ़ति जाइ। 10हियां तक कि तुम सब
उत्तमु ते बातन कइ पिरय जानउ, अउर मसीह
कइ दिन तलक सच्चइ बने रहउ, अउर ठोकरु न
खाउ। 11अउर वहि धरमिकतइ कइ फल ते, जउन
यीसु मसीह ते होत हइ, भरपूर होत जाउ, जेहि ते
परमेसुर कइ महिमा अउर स्तुति होति रहइ।

पौलुस केर भरपूरी ते सुसमाचारु फैलावै केर कामु

12हे भाई लोगन हम चाहित हइ कि तुम सब यहु
जानि लेउ कि हम पर जउन बीता हइ, वहि ते
सुसमाचारु केर बढ़ती भई हय। 13हियां तक कि
केसरी देस कइ सिपाहिन म अउर बाकी लोगनु म
एकु परगट होइ गइ हइ कि हम मसीह कइ खातिर
बन्दी हन। 14अउर परभु म जउन भाई हन, उनमा ते
ज्यादा हमरेइ कैद होई भई खातिर हियाउ बांधि कइ,
परमेसुर कइ बचन निधड़क सुनावइ कइ अउरउ
हियाउ करत हंय।
15क्यतनौ डाहु अउर झगड़ा कइ खातिर मसीह
क्यार परचारु करत हंइ अउर क्यतनौ ठीक मनसा ते।
16केहू तउ यहु जानि कइ कि हम सुसमाचारु कइ
खातिर जबाबु दियै खातिर ठहराय गयन हंय पिरेमु ते
परचारु करत हंय। 17अउर बहुत लोगन नीक विचार
ते नाहीं, मुला विरोधु ते परभु कइ कथा सुनावत हइ,
यहु जानि कइ कि कैदी म हमरे खातिर दुख पइदा
करइं। 18तउन का भवा? इहइ न कि चाहे बहाना ते,
चाहे सच्चाई ते मसीह कइ कथा सुनावा जाति हइ,
अउर हम, यहि बात ते आनन्दित हन, अउर आनन्दित
रहबै। 19काहे ते हम यहु जानति हइ कि तुम सब
कइ विनती ते अउर यीसु मसीह कइ आतमा कइ
दान ते एकइ फलु ते हमार छुटकारा होई। 20हम तउ
इहइ हिरदय ते लालसा अउर आसा राखित हइ कि
हम कउनिउ बात म लज्जित न होइ, मुला जइसन
हमरे पूरे साहसु ते मसीह कइ बड़ाई हमारि देहि ते
होत हइ, वइसइ अबहूं होइ चाहे हम जिन्दा रही या
मरि जाई। 21काहे ते हमरे लिए जिन्दा रहबु मसीह
हइ अउर मर जाब लाभ हइ। 22मुला अगर देहि म
जिन्दा रहइबु हमरे काम कइ खातिर लाभदायक हइ
तउ हम नाहीं जानित हइ, कि केहिका चुनी। 23काहे
हम दूनउ कइ बीचइ अधरइ म लटका हइ, जियरा
तउ चाहत हइ कि कूच कइकइ मसीह कइ लगे चला
जाई, काहे ते इहु बहुत अच्छा हइ। 24मुला तुम्हरे

कारन मा जिन्दा रहबु बहुत जरूरी हइ। 25अउर इहि
नाते हमइ यहिकर पूरा भरोसा रह, सो हम जानित
हइ कि हम जिन्दा रहबु इंहा तलक कि तुम्हरे साथइ
रहबइ, जैसइ तुम बिसवासु म पक्का होइ जाउ,
अउर वहि म आनन्दित रहउ। 26अउर जउन घमन्डु
तुम हमरे बारे मं करत हउ, ऊ हमरे फिर तुम्हरे पास
लौटि आवइ ते मसीह यीसु मा अउर जादा बढ़ि
जाइ।

27खाली एतना करउ कि तुम्हार चाल—चलन
मसीह मइ सुसमाचारु कइ लायक हुवै जेहिते चाहे
हम तुम्हइ आइकइ देखी, या ना आई, तुम्हरे बारे म
इहइं सुनी कि तुम एकइ आतमा म बनइ रहि कइ,
अउर एकइ मन होइकइ, सुसमाचारु कइ विसवासु
कइ खातिर मेहनत करत रहत हउ। 28अउर कउनउ
बात म विरोधी लोगन ते डेरात नाहीं हउ, इहइ उन
लोगन कइ विनासु हुवै क्यार साफु चिन्ह हइ, मुला
तुम्हरे लोगन कइ उद्धारु कइ, अउर इहु परमेसुर कइ
तरफ ते हइ। 29काहे ते मसीह कइ खातिर तुम पइ
इहि किरपा भई, हइ कि न खाली मसीह पर विसवासु
करउ, मुला वहिके खातिर दुखौ उठावउ। 30अउर
तुमका वइसनइ मेहनति करइक है जइसनइ तुम
मोहिका करत देखेउ रहा, अउर अबउ सुनत हउ कि
हम वइसनइ करित हन।

परभु केर भागीदारी मनइन केर खातिर

2अगर मसीह म कछु सान्ती अउर पियार ते
हिम्मत अउर आतमा कइ सहभागिता, अउर
कछु करुना अउर दया हइं। 2तउ हमार यहु खुसी पूरा
करउ कि कएइ मन रहइ, अउर एकइ पियार, एकइ
भावना, अउर एकइ विचार मा राखउ। 3विरोध या
झूठ बड़ाई कइ खातिर कछु न करउ मुला दीनता ते
एक दूसरे क अपने ते अच्छा समझंउ। 4सब कोउ
खली अपनइ हित कइ नाहीं मुला दुसरेउ कइ हित
कइ चिन्ता करइ।

5जइसन मसीह यीसु कइ सुझाउ रहा, वइसनइ
तुमरउ सुझाउ हुवै।

6जे परमेसुर कइस रूप म होइ कइ परमेसुर कइ
नाई होय कइ अपने बस मं राखइ कइ चीज नाहीं
समझिसि।

7मुला अपने आप कइ अइसन खतम कइ दिहिन,
अउर दास कइ स्वरुप धारन किहिस अउर मनई कइ
बराबर होय गय।

8अउर मनई कइ रूप म परगट होइकइ अपने आप
इक दीन किहिस अउर हियां तक आदेसु मानिस कि
मिरतु हो क्रूस कइ मौति सहि लिहिए।

9यही नाते परमेसुर वहिका महानउ किहिस, अउर
वहिका ऊ नाम दिहिस जउन सब नामन म बड़ा हइ।

10कि जे सरग म अउर धरती पइ अउर जे धरती कइ
नीचे हय, ऊ सब यीसु कइ नाम पइ आपन घुटना
टूयांकय।

11अउर परमेसुर बाप कइ महिमा कइ खातिर हर
जीभि इहि मानि लेइ कि यीसु मसीह परभु हइ।

सितारन की तिना चमक

12तउ हे हमरे पियारे लोग जेहि परकार ते तुम
लोग सदा आग्या मानत आयउ हए, वइसनइ अबहूं
न खाली हमरइ साथ रहिकइ मुला खासकर अब
हमते दूर रहइ, पर डरत अउर कोपत आपनु—आपनु
उद्धारु कइ काम पूर करत जाउ। 13काहे ते परमेसुर
हइ जउन अपने सुइच्छा कइ खातिर तुम्हरे मन मा
इच्छा अउर काम, सुइच्छा कइ खातिर तुम्हरे मन मा
इच्छा अउर काम, दूनउ बाति कइ पूरा करइ कइ
असर डालिस हय।

14कुलि काम बिना कुड़कुड़ाए अउर बिना झगड़ा
कइ किया करउ। 15जेहिते तुम निरदोस अउर ढीला
होइकइ टेढ़ अउर हठीलन लोगन कइ बीच म परमेसुर
कइ निसकलंक सतानु बने रहउ जेहिके बीच मं तुम
जिंदगी कइ बचन लइकइ दुनिया म जलत चिरागन
कइ नाई देखाई देत हउ। 16कि मसीह इ दीन मुहिका
घमंड करइ कइ मौका मिलइ, कि न हमार दउरब
अउर न हमार मेहनति करब बेकार भई। 17अउर
अगर मोहिका तुम्हरे बिसवासु कइ बलिदान अउर
सेवा कइ साथइ आपन खूनउ बहावइ कइ परइ तबउ
हम आनन्दित हन, अउर सब कइ साथ म आनन्दित
होइत हन। 18वइसनइ तुमहूं आनन्दित रहउ, अउर
हमरे साथ म खुसी मनावउ।

तिमिथियुस अउर इफ्फादितुस

19मोहका परभु यीसु म आसा हइ, कि हम
तिमुथियुस क तुम्हरेइ पास तुरतइ भेजि द्याब जइसन
तुम्हार हाल सुनि—सनि कइ मोहिका सान्ती मिलइ।
20काहे ते हमरे पासइ अइसन सुझाउ कइ कोऊ नाहीं
हइ, जे साफ मन ते तुम्हार चिन्ता करइ। 21काहे ते
सब अपने सवारथ कइ खोजि म रहत हइ, ना कि
यीसु मसीह कइ। 22मुला वहिका (तिमुथियुस कइ)
तौ तुम परखेउ, अउर जानि लिहेउ कि जइसन
बेटवा—बापइ कइ साथ करत हइ, वइसनइ वहु
सुसमाचारु फैलावइ म हमारि साथ मेहनति किहिस

हइ। 23तउ मोहिका आसा हइ, कि जइसइ मोहिका
मालूम होई कि हमारि दसा कइ का होई, वइसइ हम
वहिका तुरन्तइ भेजि द्याब। 24अउर मोहिका परभु म
भरोसु हइ, कि हम अपनउ जल्दी आइब।
25मुला हम इफ्फुदीतुस कइ जे हमार भाई, अउर
साथ म काम करइ वाला अउर संगीबीर अउर तुम्हार
दूत, अउर जरूरी बातन म हमार सेवा टहल करइ
वाला हइ, तुम्हरे पास भेजबु जरूरी समझेन। 26काहे
ते वहिका मनु तुम सब म लगा रहत रहा यही
खातिर ऊ ब्याकुल रहत रहा, काहे ते तुम वहिकइ
बीमारी क हाल सुनेउ रहेउ। 27अउर ऊ बीमार होइ
गवा रहा, इहां तक कि मरइ पर रहा, मुला परमेसुर
वहिके ऊपर दया किहिस, अउर खाली वही पर
नाहीं, मुला हमरेउ ऊपर कि मोहिका दुख पर दुख न
होई। 28यही के नाते हम वहिका भेजे के कोसिस
कीन कि तुम वहिते दुआरा मिलि कइ आनन्दित होइ
जाउ, अउर हमरउ दुख कम होइ जाई। 29यही कइ
नाते तुम परभु म वहिते बहुत खुसी कइ साथ मिलेउ
अउर अइसन लोगन कइ आदर किहा करेउ। 30काहे
ते ऊ मसीह कइ काम कइ खातिर अपने जान कइ
जोखिम उठाइ कइ मरइ वाला होइ गय रहा, तउनउ
जउन कमी तुम्हरे तरफ ते हमरे सेवा म रही, वहिका
पूरा करइ।

द्याह म अविसवासु

3तउ हे हमरे भाई लोगन परभु म आनन्दित रहउ,
उहइ बात तुमका बार–बार लिखाइ म मोहिका
तनिकौ दु:ख नाहीं होत, अउर यही म तुम्हार कुसलता
हइ।
2कुत्तन जइसन लोगन ते चउकस रहउ, ऊ बुरा
काम करइ वालेन ते चउकस रहउ, ऊ काट–कूट
करइ वालेन ते चउकस रहउ। 3काहे ते खतना वालेन
तौ हमहीं लोग हन, जउन परमेसुर केर आतमा कइ
अगुवाई ते उपासना करित हन, अउर यीसु पर घमंडु
करित हन, अउर सरीर पर भरोसु नाहीं राखति हन।
4मुला हम तउ सरीरउ पइ भरोसा राखि सकति हन,
अगर कोऊ दूसरइ कइ सरीर पर भरोसा राखइ कइ
विचार हइ, तउ हम वहिते बढ़िकइ राखि सकति हन।
5आठवहुं दिन हमार खतना भवा। इसराएल केर बंस
के हन, अउर बिन्यामीन के गोय कइ अहिन, इबरानी
लोगन कइ इब्रानी, बेवस्था केर बारे मा कहउ तउ
फरीसी अहिन। 6उत्साह कइ नजर ते देखउ तउ
कलीसिया कइ सतावइ वाला रहेन, अउर बेवस्था
कइ नजर ते देखउ तउ निरदोसु रहेन।
7मगर जउनी–जउनी बातें हमरी लाभु केरी रहीं,
उनका हम मसीह कइ खातिर हानि समझि लीन हवै।
8वरन् हम अपनि परभु यीसु मसीह केर पहिचान कइ
सरेस्ठता कइ खातिर सब बातिन कइ हानि समझति
हइ, जिहिके खातिर हम सब चीजन कइ हानि उठायन,
अउर उन्हइं कूड़ा समझति हन, जेहिते हम मसीह क
पाइ जाईं। 9अउर मसीह मं पाइ जाईं, न कि अपने
वहि धारमिकता ते जउन बेवस्था ते हइं, मुला वहि
धारमिकता ते जउन मसीह पर विसवासु करइ कइ
नाते, अउर परमेसुर कइ तरफ ते विसवासु करइ
पर मिलत हइ। 10अउर हम परभु कइ, अउर परभु
कइ जी उठइ कइ सामरथ कइ, अउर उनके साथ
दुख म, सहभागी होइ कइ मरिकय जानी, अउर
उनहीं कइ मौंति केर बराबरी पाइ। 11ताकि हम
कउनउ परकार ते मरै हुवै वालेन मा तेजी उठइ कै
पद तक पहुंची।

निसाने केर तरफ बढ़बु

12यहु मतलब नाहिन कि हम पाइ चुकेन हइ, या
सिद्ध होइ गवा, मुला वहि पदारथ कइ पकरइ कइ
खातिर दउरत चले जाइत हन, जिकरे खातिर मसीह
यीसु मोहिका पकरइ रहिन। 13हे भाई लोगन, हमारि
भावना यह नहिन हइ कि हम पकरि चुकेन हन मुला
खाली ई एकु काम करित हइ कि जउन बाति पीछे
छूटि गय हइ वहिका भूलि कइ आगे कइ बातिन कइ
तरफ बढ़त जाइत हइ। 14निसाना केर तरफ दउरत
चले जाइत हन, जेहिते ऊ इनाम पाई, जिकरे खातिर
परमेसुर मोहिका मसीह यीसु म ऊपर बुलाइन हन।
15तउ हमरे मा ते जे सिद्ध हवै, ऊ रहइ विचार
राखै, अउर अगर कउनउ बात मा तुम्हार लोगन क
अउर विचार होई तउ परमेसुर वहउ तुमरे ऊपर परगट
कइ देई। 16सो जहां तलक हम पहुंचेन हैं, वहीं
मुताबिक चली।
17हे भाई लोगन तुम सबइं मिलि कइ हमारि नाई
चाल चलउ, अउर ऊ लोगन कइ पहिचानि राखउ, जे
इही रीति पर चलत हवै, जेकर नमूना तुम हममा
पाउत हइं। 18काहे ते बहुत जनै अइसन चाल चलत
हवै, जेकर चरचा हम तुमते बार–बार किहिन हइं।
अउर उनहूं रोम–रोम कै कहित है कि वो अपने चाल
चलन ते मसीह कइ सलीब केर दुसमन हवै। 19उन
क्यार अन्तु विनास हवै उन क्यार परमेसुर केर पेटु
हवै उइ अपन लज्जा केर बातन पइ घमंडु करत हैं,
अउर जमीन कइ चीजन पइ मन लगावत हवै।
20मुला हमार आपन देसु सरग पइं हवै, अउर हम

एकु उद्धारु करइ वाला परभु यीसु मसीह कइ उहां ते
आवइ कइ इन्तजारु करित हइं। 21वहु अपन सकती
कइ वहि असर ते जेहिते वहु चीजन केर अपने बसि
म कइ सकत हइं, हमारि दीन—हीनल दुयांह क्यार
रुप बदलि कइ, अपने महिमा कइ देहि केर लायक
बनाइ देई।

4 तउ हमरे पियारे भाई जिनमा हमार जिउ लगा
रहत हइ, जउन हमार खुसी अउर मुकुट हइ, हे
प्यारे भाई परभु म यही तरह ते बने रहउ।

सहभागिता

2हम यूओदिया कइ समझाावति हइ, अउर सुन्तखेउ
कइ, कि ऊ सब परभु म एकइ मन रहंय। 3अउर हे
सहीं सहकरमी हम तुमते विनती करित हन कि तुम
उन अउरतन केर मदति करउ काहे ते वी लोग हमरे
साथ सुसमाचारु फइलावइ म क्लेमेंस अउर हमरे
अउरउ साथिन समेत मेहनति किहर रहीं, जेकर नाम
जीवन कइ किताब मा लिखा हइ।
4परभु म हरदम अनन्दित रहउ, हम फिर कहित
हइ, आनन्दित रहउ। 5तुम्हार कोमलता सबइ लोगन
पइ परगट होइ, परभु निकट हइं। 6कउनिउ बाति केर
चिन्ता न करेउ, मुला हर एकु बाति म तुम्हार निवेदनु,
पराथना अउर विनती कइ साथ धन्यवादु के साथइ
परमेसुर के समुंहे पहुंचावा जाय। 7तब परमेसुर केर
सान्ती जउन समझ ते एकदम परे हइं, तुम्हरे मन
अउर तुमरे विचार कइ मसीह यीसु म सुरच्छित राखी।
8तउ हे भाई लोगन जउन—जउन बातें सही हवै
अउर जउन—जउन बातैं आदरु कइ लायक हवै,
अउर जउन—जउन बातैं सुन्दर हवै, अउर जउन जउन
बातैं मन मोहइं वालर हवैं उनहिन पर धियानु लगावा
करउ। 9जउनी बातें तुम मोहिते सीखेव है, अउर
गरहन कियउ हइ, अउर सुनेउ हउ, अउर हमरे अन्दर
देखेउ हइ, उहीं कइ पालन किया करउ, तब परमेसुर
जउन सान्ती कइ सोता हइ, तुम्हरे साथ मा रही।

धन्यवादु केर पराथना

10हम परभु म बहुत आनन्दित हन कि अब इतनइ
दिन के बाद तुम्हार विचार हमरे बारे म फिर जागा
हइ, निस्चय है कि पहिलेइ ते तुममा यहु अवचारु
रहा, मुला तुमका अवसरु नाहीं मिला। 11ई बाति
नाई हइ कि हम अपने तंगी कइ नाते ई कहित हइ,
काहे ते हम ई सीख लिहइ हइ कि जउनी दसा म
रही वही मा सन्तोस करी। 12हम दीन हुवब जानित
हइ, अउर बाढ़इ भी जानित हइ, हर अउर सब हालत
मा हम संतुस्ट हूबहू भूंखा रहबु अउर बढ़बु अउर घटबु
सीख लीन हवै। 13जउन मोहिका सारथ देत हइ उही म
हम सब कुछ करि सकित हन।
14मुला तबउ तुम ठीक किहेव, कि हमारि दुख म
हमार भागीदार भयेउ है। 15अउर हे फिलिप्पी म रहन
वालेन तुम अपुन जानत हउ कि सुसमाचारु परचारु
के सुरुवात म जब हम याक दुनियां ते विदा भयेन
रहै, तब तुम्हरे अलावा कउनिउ मंडली दान दियै कइ
बारे म हमार मदति नहीं किहिस रहैं। 16यही
परकार ब हम थिस्सलुनी के म रहेन, तबउ तुम
लोग हमार तंगी दूरि करइ कइ खातिर एकु बार
का दुइ बारि कछु भेजेउ रहै। 17ई नाहीं कि हम
दान चाहित हन, मुला हम अइसन फलु चाहित
हन, जउन तुम्हरे लाभ कइ खातिर बढ़त जाय।
18हमरे पास सब कुछ हवइ हां बहुत हवै, जउन
चीज तुम लोग इफ्फुदीतुस कइ हाथ ते भेजेउ रहा
वहिका पाइ कइ हम संतुस्ट होइ गयने है। बहु तौ
सुगन्ध अउर गरहन करै लायक बलिदानु हवइ,
जउन परमेसुर का अच्छा लागत हइ। 19अउर
हमार परमेसुरौ अपने वही धन कइ मुताबिक जउन
महिमा सहित मसीह यीसु म हवै, तुम्हार हर एकु
घटी पूर करी। 20हमरे परमेसुर अउर बाप केर
महिमा जुग—जुग तक होत रहइ। आमीन।

आखिरी अभिबादनु

21सब पवित्तर लोगन का जउन यीसु मसीह म हवै
नमस्कारु कहउ, जउन भाई हमारि साथ म हवै, तुम
लोगन का नमस्कारु कतह हवै। 22सब पवित्तर लोगन,
विसेस कइ जे कइसर के घराने के हवै, तुमका
नमस्कारु कहत हयं। 23हमरे परभु यीसु मसीह कइ
अनुगरह तुम्हरे आतमा कइ साथ रहय।